भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

राष्ट्रीय सहारा

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 13.07.2019

आईआईटी बीएचयू में बनेगा महामना एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर सेंटर

वाराणसी (एसएनबी)। किसानों की आय वढ़ाने और कृषि आधारित स्टार्ट अप के समग्र विकास के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएचयू) आगे आया है। आईआईटी वीएचयू में इसके लिए महामना एग्री विजनेस इनक्यूवेटर सेंटर का निर्माण करने जा रहा है। मालवीय उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन केंद्र के वगल में इसका सेंटर वनाने की आईआईटी वीएचयू की योजना है। सेंटर के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने दो आईआईटी को चुना है। जिसमें से आईआईटी वीएचयू और आईआईटी खड़गपुर प्रमुख हैं। इसमें नीदरलैंड नॉलेज पार्टनर की भूमिका में होगा। उक्त वातें महामना एग्री विजनेस इनक्यूवेटर सेंटर के मुख्य पर्यवेक्षक प्रो. पीके मिश्रा ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में कहीं। कहा कि महामना एग्री विजनेस इनक्यूवेशन आईआईटी वीएचयू द्वारा आरकेवीवाई (रफ्तार) योजना के अंतर्गत स्थापित किया जा रहा है। इस संवंध में महामना एग्री विजनेस इनक्यूवेटर के मुख्य पर्यवेक्षक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र ने नीदरलैंड के पीयूएम के सहयोग का प्रस्ताव वनाया है। जिसके लिए पीयूएम नीदरलैंड ने वरिष्ठ विशेषज्ञ पीटर वान को 30 जून 2019 को आईआईटी वीएचयू भेजा। जिन्होंने दो सप्ताह के वर्कशॉप के वाद अपने इनक्यवेशन सेन्टर

के स्थापना अनुभवों को शेयर किया है। पत्रकारवार्ता में पीटर वान ने वताया कि यूरोप में इनक्यूवेशन में आने वाले स्टार्ट अप को छह माह से एक साल तक ही ट्रेनिंग, कोचिंग, मेंटरशिप और वित्तीय मदद दी जाती है। उसके वाद भी अगर वह ऑपरेशनल मोड में नहीं आते है तो स्टार्ट अप को हम वहीं पर वंद कर देते हैं। मगर भारत में इसको दो वर्ष की इनक्यवेशन काफी सराहनीय है।

नीदरलैंड बनेगा नॉलेज पार्टनर

18 व19 जुलाई को होगा नये विचारों का चुनाव एवं अनुमोदन : पीके मिश्रा ने वताया कि रसायन अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के सहयोग एवं आईआईटी वीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन की प्रेरणा से एक नए एग्री विजनेस इनक्यूवेटर की स्थापना की जा रही है। महामना एग्री विजनेस इनक्यवेटर के मख्य पर्यवेक्षक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र ने वताया कि रफ्तार योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली और पश्चिम वंगाल से 250 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमे कई तरह के नए विचार सामने आए हैं, जिनका उपयोग कृषि एवं संवद्ध क्षेत्रों में कर उनकी उत्पादकता को वढ़ाया जा सकता है। नये विचारों का चुनाव एवं अनुमोदन चुनाव समिति 18 तथा 19 जुलाई को करेगी। प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र ने वताया कि आईआईटी वीएचयू द्वारा एक अन्य महत्वपूर्ण उपलव्धि हासिल हुई है।

उप्र राज्य जैव विकास बोर्ड व आईआईटी के बीच समझौता : उप्र राज्य जैव विकास वोर्ड के वीच एग्री विजनेस इनक्यूवेटर को गति प्रदान करने के लिए समझौता प्रारूप पर हस्ताक्षर हुआ है। इससे किसानों को तकनीक व ज्ञान आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। वाजार की मांग के आधार पर और जैव ऊर्जा आधारित एंजाइम, तेल उत्पाद और अन्य जैविक उत्पादों के व्यापार को गति मिलेगी।

प्रो. पीके मिश्रा ने नीदरलैंड के पीटर वान का शाल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महामना एग्री विजनेस इनक्यूवेटर सेंटर की वीजनेस मैनेजर सोनल शक्ला मौजद थी।